भजन

पूछो ना हमें आज यहां क्या क्या नजर आया
महबूब की मेहर का इक प्यार नजर आया

1- खिलवत की बातें हो रहीं और चर्चा धाम की
बेहद वतन के पार का सब सार नजर आया

2- भर भर के प्याले इश्क के रूह को पिला रहे
निजधाम पहली भोम का दरबार नजर आया

3- अलमस्त सभी हो रहे वाहेदत के जाम से
श्री जी की इक मेहर का भण्डार नजर आया

4- चिपटी रहूं चरणों में हरदम बस चाहना है यहीं धनी
इस नूर की झलक में दिलदार नजर आया